Series **E1GFH/C**

Set No. 1

प्रश्न-पत्र कोड **29/C/1**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

नोट

(I) *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।*

(II) *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।*

(III) *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।*

(IV) ***कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।***

(V) *इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **14** है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — **खण्ड अ** और **ब** ।*

(iii) ***खण्ड अ** में 48 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iv) ***खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) 40 अंक

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

नदियों को शुद्ध सदानीरा बनाने में अनेक छोटे-छोटे जलाशयों व तालाबों का योगदान होता है। पानी इन जलाशयों से जमीन के नीचे जाता है। अगर जलाशय ज्यादा साफ होते हैं तो उनमें पानी भी ज्यादा रहता है। जलाशयों से भूजल का पुनर्भरण होता है। ताल, पाल, झाल ही धरती का पेट भरते आए हैं। पहले हमारे भूजल भंडार भरे हुए थे। जब जल भंडार भरे रहते हैं, तो उस राष्ट्र की मुद्रा का भी मूल्य बना रहता है। इसलिए नदियों की अविरलता, निर्मलता बचाकर रखना ही हमारे जीवन को ठीक करेगा। यह समझना चाहिए कि नदियों का उद्धार सभ्यताओं का पुनर्जीवन है। नदियाँ हमारी संस्कृति में आनंद का स्रोत रही हैं। यदि नदियाँ सूखती हैं, तो हमारी खुशियाँ भी घटती हैं।

यदि हम जल बचाने के काम में नहीं लगेंगे, तो धरती पर बाढ़, सुखाड़ से स्थिति और बिगड़ जाएगी। आज विश्व में प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ रही हैं और ये सब वर्षा की कमी या अधिकता के चलते नहीं है। जो जलवायु परिवर्तन हुआ है, उसके चलते हमें यह पता ही नहीं चलता कि कब बारिश होगी और कब नहीं ? फ़सल चक्र भी वर्षा चक्र से कट गया है और यह कटना घातक है। जल संकट बढ़ गया है, तो आज किसान को बहुत मेहनत से अनाज उगाना पड़ रहा है।

जब हम धरती के गर्भ का जल लूट लेते हैं तो धरती का पेट खाली हो जाता है। जब धरती के गर्भ में पानी नहीं होता, तब हम बेपानी होकर तरसते हैं। अच्छा समाज वह होता है, जो बुरे दिन आने से पहले ही सँभल जाता है।

भारत में भी प्राचीन काल में राजा पानी के लिए जमीन देते थे। प्रजा अपना पसीना लगाती थी। राजा पानी का काम करने वालों को खाना देते थे। जो लोग पानी के काम में नहीं लगते थे, उन्हें प्रेरित किया जाता था। जल व्यवस्था सामुदायिक, लेकिन विकेंद्रित थी। देश में फिर से पारंपरिक जल व्यवस्था को जीवित करना पड़ेगा। देश के शुभ की चिंता करनी है तो सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। हमें दूसरों से नकल करने की भी जरूरत नहीं है। हम अपनी विद्या पर लौट आएँ, तो जगत को जल का उपयोग सीखा देंगे।

(i) इस गद्यांश का वर्ण्य विषय है :

(a) सदानीरा नदियाँ

(b) जलवायु परिवर्तन

(c) बढ़ता जल संकट

(d) प्रदूषित नदियाँ

(ii) नदियों और सभ्यता के बीच के रिश्ते के विषय में निम्नलिखित में से क्या असत्य है ?

(a) दोनों एक दूसरे के अस्तित्व पर आश्रित हैं।

(b) नदियों के किनारे ही सभ्यता का विकास हुआ है।

(c) नदियाँ न रहने पर सभ्यता का अंत निश्चित है।

(d) विश्व की प्राचीन सभ्यता नदियों के किनारे ही पनपी।

(iii) नदियों को सतत प्रवाहमयी बनाने में योगदान है :

(a) मनुष्य के प्रयासों का (b) वर्षा की मात्रा का

(c) ग्लेशियरों का (d) जलाशयों व तालाबों का

(iv) 'नदियों की अविरलता, निर्मलता बचाकर रखना ही हमारे जीवन को ठीक करेगा।' पंक्ति के संदर्भ में 'अविरलता' का सटीक अर्थ हो सकता है :

(a) चंचलता (b) सघनता

(c) निरंतरता (d) सम्पूर्णता

(v) गद्यांश के आधार पर राष्ट्र की मुद्रा का मूल्य बना रहता है :

(a) राष्ट्र की औद्योगिक प्रगति होने पर

(b) राष्ट्र के नागरिकों के परिश्रमी होने पर

(c) राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति होने पर

(d) राष्ट्र के पास पर्याप्त जल संसाधन होने पर

(vi) दिनोंदिन बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं का कारण है :

(a) वर्षा की कमी (b) वर्षा की अनियमितता

(c) जलवायु परिवर्तन (d) प्राकृतिक संसाधनों का दोहन

(vii) गद्यांश के आधार पर अच्छे समाज की क्या पहचान है ?

(a) वहाँ के लोग परिश्रमी होते हैं।

(b) वहाँ प्रति व्यक्ति आय अधिक होती है।

(c) समस्या आने से पूर्व निवारण की योजना बनाते हैं।

(d) समस्या आने के बाद निवारण की योजना बनाते हैं।

(viii) प्राचीन भारत में पानी की क्या व्यवस्था थी ?

(a) राजा जलाशयों के लिए जमीन दान देते थे।

(b) प्रजा जलाशयों के निर्माण में योगदान देती थी।

(c) अधिकाधिक कुएँ और बावड़ियाँ बनाए जाते थे।

(d) राजा और प्रजा मिलकर जल का प्रबंध करते थे।

(ix) 'हम अपनी विद्या पर लौट आएँ, तो जगत को जल का उपयोग सीखा देंगे।' — पंक्ति के संदर्भ में 'अपनी विद्या' से अभिप्राय है :

(a) जल संचयन की विद्या

(b) जल संरक्षण की विद्या

(c) (a) और (b) दोनों में से कोई नहीं

(d) (a) और (b) दोनों

(x) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए, उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : नदियों का उद्धार सभ्यताओं का पुनर्जीवन है।

कारण (R) : धरती पर बाढ़, सुखाड़ की स्थिति बिगड़ रही है।

(a) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(b) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी ग़लत व्याख्या करता है।

2. नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं, उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी **एक** काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

काव्यांश – 1

(क) हुँकारों से महलों की नींव उखड़ जाती,
साँसों के बल से ताज हवा में उड़ता है,
जनता की रोके राह, समय में ताव कहाँ ?
वह जिधर चाहती, काल उधर ही मुड़ता है।

सबसे विराट जनतंत्र जगत का आ पहुँचा,
तैंतीस कोटि-हित सिंहासन तय करो
अभिषेक आज राजा का नहीं, प्रजा का है,
तैंतीस कोटि जनता के सिर पर मुकुट धरो।

आरती लिए तू किसे ढूँढ़ता है मूरख,
मंदिरों, राजप्रासादों में, तहखानों में ?
देवता कहीं सड़कों पर गिट्टी तोड़ रहे,
देवता मिलेंगे खेतों में, खलिहानों में।

फावड़े और हल राजदण्ड बनने को हैं,
धूसरता सोने से शृंगार सजाती है;
दो राह, समय के रथ का घर्घर-नाद सुनो,
सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।

(i) पद्यांश में कवि किसकी हुँकार की बात कर रहा है ?

(a) जनता की क्रोध भरी हुँकार (b) राजा की क्रोध पूर्ण हुँकार
(c) शत्रु की हुँकार (d) सरकार की हुँकार

(ii) 'ताज हवा में उड़ता है' का तात्पर्य है :

(a) शत्रु का आक्रमण करना (b) राजा की मृत्यु
(c) राजतंत्र की समाप्ति (d) देश की स्वतंत्रता पर खतरा

(iii) कवि के अनुसार समय में किस शक्ति का अभाव है ?

(a) काल को रोकने की शक्ति (b) जनता को रोकने की शक्ति
(c) शत्रु को रोकने की शक्ति (d) परिवर्तन की शक्ति

(iv) महलों की नींद कब उड़ती है ?

(a) जब सीमा का प्रहरी कमजोर हो (b) जब शत्रु शक्तिशाली हो

(c) जब पड़ोसी देश शत्रु हो (d) जब प्रजा सजग हो जाती है

(v) कवि ने जगत का सबसे विराट जनतंत्र किसे कहा है ?

(a) शत्रु की ताकत (b) जनता की शक्ति

(c) भारत देश (d) सेना की शक्ति

(vi) 'देवता कहीं सड़कों पर गिट्टी तोड़ रहे' पंक्ति के संदर्भ में 'गिट्टी' शब्द का अर्थ है :

(a) मिट्टी (b) महल

(c) रोड़ी (d) ईंट

(vii) पद्यांश के अनुसार देवता कहाँ निवास करते हैं ?

(a) स्वर्ग में (b) मज़दूरों और श्रमिकों में

(c) महलों में (d) विचारों में

(viii) 'फावड़े और हल राजदण्ड बनने को हैं' — पंक्ति का आशय है :

(a) इनका स्वरूप बदलने वाला है

(b) इनका स्थान मशीनें लेने वाली है

(c) शोषित वर्ग राजमहल में खेती करने वाला है

(d) शोषित वर्ग सत्ताधारी वर्ग बनने वाला है

अथवा

काव्यांश – 2

(ख) सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।
जगती के मन को खींच खींच,
निज छवि के रस में सींच सींच
जल कन्याएँ भोली अनजान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

प्रातः समीर से हो अधीर,
छूकर पल-पल उल्लसित तीर
कुसुमावलि-सी पुलकित महान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

संध्या से पा कर रुचिर रंग,
करती-सी शत सुर-चाप भंग
हिलती नव तरू-दल के समान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

करतल गत कर नभ की विभूति,
पा कर शशि से सुषमानुभूति
तारावलि-सी मृदु दीप्तिमान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

तन पर शोभित नीला दुकूल,
हैं छिपे हृदय में भाव फूल
आकर्षित करती हुई ध्यान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

(i) 'जल कन्याएँ' किन्हें कहा गया है ?

(a) जलपरियों को
(b) मछलियों को
(c) सागर की लहरों को
(d) मोती की लड़ियों को

(ii) जल कन्याएँ किसका स्पर्श पा अधीर हो उठी ?

(a) सूर्य किरणों की गर्मी का
(b) प्रातःकालीन हवा का
(c) समुद्र के किनारों का
(d) समुद्र के जीव जंतुओं का

(iii) काव्यांश में लहरों की तुलना किससे ***नहीं*** की है ?

(a) फूलों की पंक्ति से
(b) तारों की पंक्ति से
(c) मोती की माला से
(d) पेड़ों के नए-नए पत्तों से

(iv) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए, उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : संध्या के समय सागर की लहरें सैकड़ों इंद्रधनुष की आभा को भी फीका कर देती हैं।

कारण (R) : लहरें सागर के वक्ष स्थल पर नाचने-गाने लगती हैं।

(a) कथन (A) ग़लत है लेकिन कारण (R) सही है।

(b) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी ग़लत व्याख्या करता है।

(v) प्रातःकालीन हवा का लहरों पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(a) लहरें स्वच्छ प्रतीत होती हैं।

(b) शीतल हो जाती हैं।

(c) लहरें चंचल हो जाती हैं।

(d) लहरें भयंकर नाद करने लगती हैं।

(vi) 'तारावलि-सी मृदु दीप्तिमान' में कौन-सा अलंकार है ?

(a) रूपक अलंकार (b) उपमा अलंकार

(c) अनुप्रास अलंकार (d) उत्प्रेक्षा अलंकार

(vii) काव्यांश के आधार पर 'नभ की विभूति' किसे कहा गया है ?

(a) सूर्य और चंद्रमा के सौंदर्य को

(b) चंद्रमा और तारों के सौंदर्य को

(c) चंद्रमा के सौंदर्य को

(d) तारों की चमक को

(viii) रात्रि में लहरों द्वारा धारण किया गया 'नीला दुकूल' है :

(a) नीले रंग के वस्त्र

(b) अंबर का प्रतिबिंब

(c) नीले रंग का दुपट्टा

(d) सागर का वक्ष-स्थल

3. अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) 'विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन' पाठ के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा विकल्प सही सुमेलित है ?

(a) सिर्फ इंटरनेट पर उपलब्ध समाचार-पत्र – प्रभासाक्षी

(b) भारत की पहली वेबसाइट – तहलका डॉटकॉम

(c) रेडियो समाचार की कॉपी – डबल स्पेस में टाइप्ड

(d) नेट साउंड – कृत्रिम आवाज़ें

(ii) धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए छापेखाने का उपयोग किसने किया ?

(a) शैक्षिक संस्थाओं ने (b) मिशनरियों ने

(c) राजनेताओं ने (d) धर्म गुरुओं ने

(iii) वह लेख, जिसमें किसी मुद्दे के प्रति समाचार-पत्र की अपनी राय प्रकट होती है, कहलाता है :

(a) स्तंभ लेखन (b) संपादकीय लेखन

(c) संपादक के नाम पत्र (d) आलेख

(iv) भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबार में काम करने वाले पत्रकार कौन-से पत्रकार कहलाते हैं ?

(a) स्थायी पत्रकार

(b) वेतनभोगी पत्रकार

(c) फ्रीलांसर पत्रकार

(d) अंशकालिक पत्रकार

(v) फ़ीचर लेखन में सामान्यत: किस शैली का प्रयोग किया जाता है ?

(a) उल्टा पिरामिड शैली

(b) कथात्मक शैली

(c) सीधा पिरामिड शैली

(d) काव्यात्मक शैली

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *6×1=6*

बहुत दिनान को अवधि आसपास परे,
खरे अरबरनि भरे हैं उठि जान को।
कहि-कहि आवन छबीले मनभावन को,
गहि-गहि राखति ही दै दै सनमान को॥
झूठी बतियानि की पत्यानि तें उदास ह्वै कै,
अब ना घिरत घन आनंद निदान को।
अधर लगे हैं आनि करि कै पयान प्रान,
चाहत चलन ये सँदेसो लै सुजान को॥

(i) उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर लिखिए कि कवि संसार त्याग करने से पूर्व क्या चाहते हैं :

(a) प्रिय को संदेश भेजना चाहते हैं।
(b) उपवन में घूमना चाहते हैं।
(c) प्रिय के दर्शन करना चाहते हैं।
(d) अपने सम्मान को बनाए रखना चाहते हैं।

(ii) 'झूठी बतियानि की पत्यानि तें उदास ह्वै कै' — पंक्ति के संदर्भ में 'पत्यानि' शब्द का अर्थ है :

(a) विश्वास करना (b) सोच-विचार करना
(c) पान करना (d) गमन करना

(iii) 'अधर लगे हैं आनि करि कै पयान प्रान' पंक्ति के भाव को स्पष्ट करने के लिए उचित मुहावरा है :

(a) प्राणों की बाजी लगाना (b) प्राण पखेरू उड़ना
(c) साँस अधर में लटकना (d) प्राण कंठ तक आना

(iv) उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

I. संसार से विदा होने से पूर्व कवि सुजान के आगमन का संदेश प्राप्त करना चाहता है।
II. प्रिय के आगमन के संदेश से उसे अत्यधिक घबराहट हो रही है।
III. निरंतर प्रतीक्षारत कवि का मन उदासी से घिर गया है।

(a) केवल I (b) II और III
(c) केवल II (d) I और III

(v) प्रेयसी के वियोग में कवि के प्राणों की क्या स्थिति है ?

(a) पुन: जीवन से भर गए हैं
(b) प्राण निकलने वाले हैं
(c) मस्ती से भर गए हैं
(d) खुशी से फूले नहीं समा रहे

(vi) प्रेयसी की झूठी बातों से कवि का मन :

(a) उत्साहित हो जाता है
(b) आनंदित नहीं होता
(c) आनंद से घिर जाता है
(d) दुखी हो जाता है

5. निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *6×1=6*

भीड़ लड़के ने दिल्ली में भी देखी थी, बल्कि रोज़ देखता था। दफ़्तर जाती भीड़, खरीद फ़रोख्त करती भीड़, तमाशा देखती भीड़, सड़क क्रॉस करती भीड़। लेकिन इस भीड़ का अंदाज़ निराला था। इस भीड़ में एकसूत्रता थी। न यहाँ जाति का महत्त्व था, न भाषा का, महत्त्व उद्देश्य का था और वह सबका समान था, जीवन के प्रति कल्याण की कामना। इस भीड़ में दौड़ नहीं थी, अतिक्रमण नहीं था और भी अनोखी बात यह थी कि कोई भी स्नानार्थी किसी सैलानी आनंद में डुबकी नहीं लगा रहा था। बल्कि स्नान से ज़्यादा समय ध्यान ले रहा था।

(i) उपर्युक्त गद्यांश में किस लड़के की बात की गई है ?

(a) देवदास की
(b) स्वयं लेखक की
(c) संभव की
(d) गंगा किनारे खड़े तीर्थयात्री की

(ii) यहाँ किस स्थान की भीड़ की बात की जा रही है ?

(a) बनारस की
(b) हरिद्वार की
(c) काशी की
(d) वृंदावन की

(iii) दिल्ली की भीड़ और तीर्थ स्थल की भीड़ में अंतर था :

(a) गंतव्य स्थल का
(b) जाति और भाषा का
(c) भीड़ और गति का
(d) लोगों की संख्या का

(iv) तीर्थ स्थल की भीड़ का उद्देश्य क्या था ?

(a) गंगा में स्नान करना
(b) ईश्वर की प्रार्थना करना
(c) मंदिरों में ईश्वर दर्शन करना
(d) जीवन के प्रति कल्याण की कामना

(v) भीड़ की विशेषता क्या थी ?

(a) कोई भी झगड़ा नहीं कर रहा था

(b) अलग-अलग जाति के लोग अलग-अलग चल रहे थे

(c) भीड़ में एकसूत्रता थी

(d) भक्तों को पहचानना आसान था

(vi) निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए, उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : गंगा में स्नान करते यात्री स्नान से ज्यादा समय ध्यान पर दे रहे थे।

कारण (R) : यात्रियों का उद्देश्य पर्यटन का आनंद प्राप्त करना नहीं, धार्मिक लाभ प्राप्त करना था।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) ग़लत है लेकिन कारण (R) सही है।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

(d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी ग़लत व्याख्या करता है।

6. अंतराल के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) लेखक को क्यों लगता है कि मालवा के पर्यावरण पर आधुनिक अपसभ्यता का प्रभाव है ?

(a) आसमान में छाये हुए बादलों को देखकर

(b) मालवा में घट स्थापना की तैयारी देखकर

(c) भारतीय जीवन पद्धति को भुलाता देखकर

(d) पार्वती और कालीसिंध नदियों के बहाव को देखकर

(ii) मालवा की यात्रा के समय लेखक ने क्या देखा ?

(a) नवरात्रि की सुबह पर घट स्थापना

(b) बहुमंजलीय इमारतें

(c) बड़े-बड़े कारखाने

(d) ब्रांडेड वस्तुओं के स्टोर

(iii) बिस्कोहर गाँव में किस फूल के अधिकांश भागों/अंशों का सेवन किया जाता है ?

(a) गुलाब (b) कमल

(c) गेंदा (d) चमेली

(iv) 'रुपये मैंने ही तो कमाए थे, क्या फिर नहीं कमा सकता ?' सूरदास द्वारा कथित यह कथन सूरदास के चरित्र की किस विशेषता को दर्शाता है ?

(a) आत्मविश्वासी (b) आशावादी

(c) हार न मानने वाला (d) धैर्यवान

(v) सूरदास की झोपड़ी प्रेमचंद के किस उपन्यास का अंश है ?

(a) गोदान (b) गबन

(c) रंगभूमि (d) सेवा सदन

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) 40 अंक

7. दिए गए निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *1×5=5*

(क) इंटरनेट छात्रों के लिए वरदान या अभिशाप

(ख) आज की छोटी बचत कल का बड़ा सुख

(ग) मेरे मोहल्ले का पार्क

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) विद्यालय में बच्चों का परिचय कविता से किस प्रकार करवाया जाता है ? हमें कविता कब जानी पहचानी लगती है ?

(ख) नाटक लिखते समय नाटककार को किस बात का ध्यान रखना पड़ता है ? नाटक में सम्पूर्णता कब आती है ?

(ग) नाटक के संबंध में भरतमुनि के नाट्यशास्त्र में नाटककारों से क्या अपेक्षा की गई है ? नाटक का शरीर किसे कहा गया है और क्यों ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) इंटरनेट पत्रकारिता क्या है ? वर्तमान समय में इंटरनेट पत्रकारिता की क्या स्थिति है ?

(ख) समाचार-पत्रों में संपादकीय लेखन का क्या महत्त्व है ?

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'मैंने देखा एक बूँद' कविता के आधार पर क्षण के महत्त्व को बताते हुए कविता का मूल भाव लिखिए।

(ख) 'दिशा' कविता के आधार पर लिखिए कि बच्चे का 'उधर-उधर' कहना क्या प्रकट करता है।

(ग) 'मिट्टी के रस' से क्या अभिप्राय है ? 'तोड़ो' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी ***एक*** पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *1×6=6*

(क) राघौ ! एक बार फिरि आवौ ।
ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ ॥
जे पय प्याइ पोखि कर-पंकज वार वार चुचुकारे ।
क्यों जीवहिं, मेरे राम लाडिले ! ते अब निपट बिसारे ॥
भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे ।
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारे ॥
सुनहु पथिक ! जो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो ।
तुलसी मोहिं और सबहिन तें इन्हको बड़ो अंदेसो ॥

अथवा

(ख) जो है वह खड़ा है
बिना किसी स्तंभ के
जो नहीं है उसे थामे है
राख और रोशनी के ऊँचे-ऊँचे स्तंभ
आग के स्तंभ
और पानी के स्तंभ
धुएँ के
खुशबू के
आदमी के उठे हुए हाथों के स्तंभ
किसी अलक्षित सूर्य को
देता हुआ अर्घ्य
शताब्दियों से इसी तरह
गंगा के जल में
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर
अपनी दूसरी टाँग से
बिलकुल बेख़बर ।

12. गद्य खंड के पाठों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) हवेली से बुलावा आने पर हरगोबिन को अचरज क्यों हुआ ? 'संवदिया' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ख) कश्मीर के लोगों ने नेहरू जी का स्वागत किस प्रकार किया ? 'गाँधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) लेखक नवागाँव कब गया ? वहाँ की दशा कैसी थी ? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

इस गिरिकूट-बिहारी का नाम क्या है ? मन दूर-दूर तक उड़ रहा है – देश में और काल में – मनोरथानामगतिर्नविद्यते ! अचानक याद आया – अरे ! यह तो कुटज है ! संस्कृत साहित्य का बहुत परिचित किंतु कवियों द्वारा अवमानित, यह छोटा-सा शानदार वृक्ष 'कुटज' है। 'कूटज' कहा गया होता तो कदाचित् अच्छा होता। पर नाम इसका 'कुटज' ही हो, विरुद तो निस्संदेह 'कूटज' होगा। गिरिकूट पर उत्पन्न होने वाले इस वृक्ष को 'कूटज' कहने में विशेष आनंद मिलता है। बहरहाल, यह कूटज-कुटज है, मनोहर कुसुम-स्तबकों से झबराया, उल्लास-लोल चारुस्मित 'कुटज' ! जी भर आया।

14. अंतराल के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *1×3=3*

(क) 'अमेरिका की घोषणा है कि वह अपनी खाऊ-ऊजाड़ू जीवन पद्धति पर कोई समझौता नहीं करेगा' — इस घोषणा पर अपनी टिप्पणी दीजिए।

अथवा

(ख) कसेरिन बाई कौन थी ? उनके साथ छत पर लेटकर तीन वर्ष के बिसनाथ को कैसा लगता था ? 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर लिखिए।